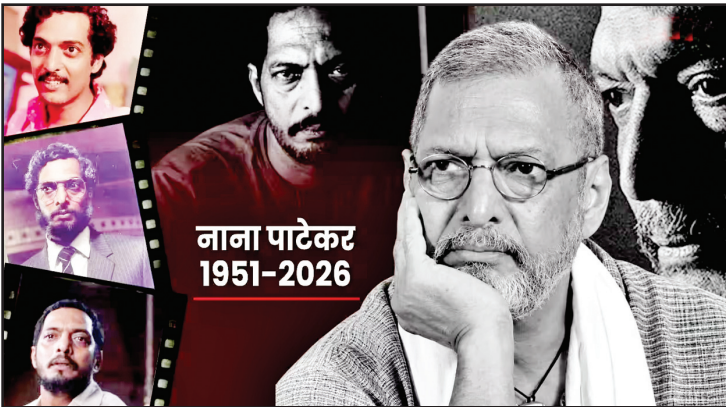




Scan to Read in
Details



नाना पाटेकर
1951-2026

नाना पाटेकर के निधन से फिल्म जगत में शोक सीएम योगी समेत कई नेताओं ने जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से भारतीय सिनेमा जगत में शोक की लहर है। 75 वर्ष की उम्र में अभिनेता के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्रियों ने शोक व्यक्त किया है। नेताओं ने नाना पाटेकर के पांच दशक लंबे फिल्मी सफर, दमदार अभिनय, संवाद अदायगी और सामाजिक सरोकारों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। हिंदी और मराठी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन की खबर से फिल्म जगत में शोक की लहर है। अपने दमदार अभिनय, प्रभावशाली संवाद अदायगी और अलग अंदाज के लिए पहचाने जाने वाले नाना पाटेकर के निधन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई राजनीतिक नेताओं ने गहरा दुख व्यक्त किया है। नेताओं ने उन्हें भारतीय सिनेमा का विलक्षण कलाकार बताते हुए श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाना पाटेकर के निधन को कला और सिनेमा जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि नाना पाटेकर ने अपने विलक्षण और प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया। उनकी फिल्मों में अभिनय की गहराई के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों की झलक भी दिखाई देती थी। सीएम योगी ने दिवंगत अभिनेता के परिवार, प्रशंसकों और शुभचिंतकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति

रंगमंच से सिनेमा तक बनाया अलग मुकाम

नाना पाटेकर केवल फिल्मों के अभिनेता नहीं थे, बल्कि उन्होंने रंगमंच पर भी अपनी मजबूत पहचान बनाई। थिएटर से अपने अभिनय सफर की शुरुआत करने वाले नाना पाटेकर ने बाद में हिंदी और मराठी फिल्मों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनका अभिनय किसी एक तरह की भूमिका तक सीमित नहीं रहा। गंभीर किरदारों से लेकर सामाजिक और भावनात्मक भूमिकाओं तक उन्होंने अलग-अलग चरित्रों को प्रभावी ढंग से पर्दे पर उतारा। उनकी आवाज, संवाद बोलने की शैली और चेहरे के भाव उनकी अभिनय क्षमता की खास पहचान रहे।

तथा शोक संतप्त परिजनों को इस कठिन समय में दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नाना पाटेकर का जाना भारतीय फिल्म जगत के लिए बड़ी क्षति है। उन्होंने अपने सशक्त अभिनय और विशिष्ट शैली के माध्यम से दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई। मौर्य ने कहा कि नाना पाटेकर ने अपने लंबे फिल्मी करियर में कई ऐसी भूमिकाएं निभाईं, जिन्हें दर्शक लंबे समय तक याद रखेंगे। उनकी अभिनय क्षमता ने उन्हें अपने समकालीन कलाकारों से अलग पहचान दिलाई।

अलविदा नाना पाटेकर

नाना पाटेकर के निधन से सदमे में देश, मोदी बोले- उनकी कमी हमेशा महसूस होगी, गडकरी-राजनाथ समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नाना पाटेकर की कमी हमेशा महसूस होगी: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नाना पाटेकर के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि उनमें जबरदस्त जोश, अनोखापन और ऐसी दमदार मौजूदगी थी, जो बहुत कम अभिनेताओं में देखने को मिलती है। उन्होंने हर किरदार में विविधता और रचनात्मकता दिखाई और ऐसे पात्र निभाए, जिन्हें पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा।



राष्ट्रपति ने बताया भारतीय सिनेमा के लिए अपूरणीय क्षति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वृहस्पतिवार को दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन को भारतीय सिनेमा के लिए अपूरणीय क्षति बताया और उनके परिवार एवं प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की। बहुमुखी प्रतिभा और प्रभावशाली अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले नाना पाटेकर का वृहस्पतिवार तड़के गोवा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया।



वे सिर्फ अभिनेता नहीं, एक संस्था थे: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नाना पाटेकर के निधन को भारतीय सिनेमा के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि बहुत कम अभिनेताओं में नाना पाटेकर जैसी असाधारण विविधता और गहराई देखने को मिली। राजनाथ सिंह ने कहा कि उनकी आवाज, स्क्रीन प्रेजेंस और अलग-अलग किरदारों में ढलने की क्षमता उन्हें अद्वितीय बनाती थी।



अमित शाह ने याद किया सामाजिक सरोकारों से जुड़ाव

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नाना पाटेकर का निधन कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। पांच दशकों तक उन्होंने अपने सहज अभिनय और सशक्त संवाद अदायगी से दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। शाह ने कहा कि गंभीर सामाजिक विषयों से लेकर हास्य-व्यंग्य तक नाना पाटेकर ने हर तरह के किरदार को जीवंत किया।



नितिन गडकरी ने बताया करीबी और दोस्ताना रिश्ता

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नाना पाटेकर के निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि नाना के साथ उनके करीबी और दोस्ताना संबंध थे। अपनी दमदार अदाकारी के जरिए उन्होंने पांच दशकों से अधिक समय तक मराठी और हिंदी सिनेमा के दर्शकों के दिलों पर राज किया।



राहुल और प्रियंका गांधी ने भी जताया शोक

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा ने मशहूर अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि प्रसिद्ध अभिनेता नाना पाटेकर के निधन का समाचार अत्यंत दुःख है।



कई यादगार फिल्मों में किया शानदार अभिनय

नाना पाटेकर ने अपने लंबे करियर में कई चर्चित फिल्मों में काम किया। उनकी फिल्मों में 'क्रांतिवीर', 'परिदा', 'अग्निसाक्षी', 'यशवंत', 'अब तक छप्पन' और 'वेलकम' जैसी फिल्में प्रमुख हैं। उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से व्यापक सराहना मिली। फिल्म 'क्रांतिवीर' में उनके अभिनय को विशेष रूप से याद किया जाता है। इस फिल्म के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्होंने अपने अभिनय के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल किए।

सामाजिक सरोकारों से भी जुड़े रहे

नाना पाटेकर का व्यक्तित्व फिल्मों से आगे भी रहा। वे सामाजिक कार्यों और जरूरतमंद लोगों की मदद से जुड़े रहे। महाराष्ट्र में किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को लेकर भी उनकी सक्रियता सामने आती रही है। उनके निधन की खबर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी प्रशंसकों और फिल्म जगत से जुड़े लोगों की ओर से श्रद्धांजलियों का सिलसिला शुरू हो गया। बड़ी संख्या में लोगों ने उनके अभिनय और भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को याद किया। नाना पाटेकर के निधन से भारतीय सिनेमा ने एक ऐसे कलाकार को खो दिया है, जिसने अपनी अलग अभिनय शैली और दमदार व्यक्तित्व के जरिए कई दशकों तक दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। उनका योगदान और उनकी यादगार भूमिकाएं आने वाले वर्षों में भी सिनेमा प्रेमियों के बीच याद की जाती रहेंगी। नाना पाटेकर अपनी इंटेलिजेंट एक्टिंग और गुस्सैल स्वभाव के लिए हमेशा ही सुर्खियों में रहे। ऐसा ही एक किस्सा साल 1997 की फिल्म 'यशवंत' के दौरान हुआ था।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया ब्लॉक का प्रदर्शन तेज

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्षी इंडिया ब्लॉक का विरोध प्रदर्शन लगातार तेज होता जा रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और चुनावी व्यवस्था को लेकर विपक्षी दलों ने गुरुवार को एक बार फिर दिल्ली में प्रदर्शन का आह्वान किया। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंडिया ब्लॉक के सांसदों के साथ लगातार दूसरे दिन लंच बैठक की, जिसके बाद आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। विपक्ष की मुख्य मांग मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया को लेकर मतदाता सूची में कई तरह की विसंगतियां सामने आ रही हैं। विपक्ष का कहना है कि वास्तविक मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता



सुनिश्चित करना जरूरी है। कांग्रेस सांसद कोडिकुन्निल सुरेश के मुताबिक, इंडिया ब्लॉक के सांसदों के लिए गुरुवार दोपहर करीब 1:45 बजे दिल्ली के कर्नाट प्लेस में लंच बैठक रखी गई। इसमें राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी वाड़ा सहित विपक्ष के कई नेता शामिल हुए। बैठक के बाद प्रदर्शन और आगे की रणनीति को लेकर फैसला लिया जाना था। विपक्षी नेताओं का

कहना है कि यदि ज्ञानेश कुमार अपने पद से इस्तीफा नहीं देते हैं तो सरकार को उन्हें पद से हटाना चाहिए। कांग्रेस ने संकेत दिया है कि मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा तथा इसे देशभर में जनता के बीच ले जाया जाएगा। इससे पहले बुधवार को भी इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने दिल्ली में प्रदर्शन किया था। विपक्षी नेताओं ने जंतर-मंतर की ओर मार्च करने की कोशिश

विपक्ष का आरोप- चुनाव आयोग पर भरोसा कम हुआ

कांग्रेस सांसद कोडिकुन्निल सुरेश ने कहा कि विपक्ष इस मुद्दे पर पीछे हटने वाला नहीं है। उन्होंने दावा किया कि लोगों का मुख्य निर्वाचन आयुक्त और चुनाव आयोग पर भरोसा कम हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने उनकी मांग पर कार्रवाई नहीं की तो कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक जनता के बीच जाकर देशव्यापी आंदोलन करेंगे। विपक्षी दल एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भी लगातार सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि मतदाता सूची में किसी भी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से नहीं हटना चाहिए। दूसरी ओर, भाजपा ने विपक्ष के आंदोलन पर सवाल उठाते हुए उस पर राजनीतिक माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया है।

दिल्ली के अलावा कई राज्यों में भी प्रदर्शन

सीईसी के खिलाफ विपक्ष का आंदोलन केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहा। गुरुवार को बिहार, कर्नाटक, तेलंगाना और जम्मू सहित कई राज्यों में भी विपक्षी दलों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। पटना में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और सांसद मीसा भारती को प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया। तेलंगाना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'चलो लोक भवन' कार्यक्रम के तहत मार्च निकाला और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग की।

की, लेकिन दिल्ली पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोक दिया। पुलिस ने कई विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था। इनमें

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड़ा समेत कई प्रमुख नेता शामिल थे।



खुला मंच

नाना पाटेकर : अभिनय का वह विद्रोही स्वर जो कभी खामोश नहीं होगा



के. के. उपाध्याय

स्वाभिमान। अपनी शर्तों पर जीने वाले। अभिनय में जितने प्रखर, निजी जीवन में उतने ही सादगीप्रिय। नाना को देखकर कभी लगा ही नहीं कि वे अभिनय कर रहे हैं। ऐसा लगता था जैसे पर्दे से सीधे दर्शकों के साथ संवाद कर रहे हों। उनकी आँखें बोलती थीं। चेहरे की एक-एक रेखा संवाद करती थी। आवाज में अद्भुत दम था। संवाद अदायगी में ऐसा प्रवाह कि शब्द



सीधे हृदय में उतर जाते थे। वे संवाद बोलते नहीं थे। उन्हें जीते थे। मुझे आज भी याद है। मैंने नाना पाटेकर की पहली फिल्म प्रतिघात देखी थी। वह 1987 का दौर था। उस फिल्म में उनका किरदार मानसिक रूप से अस्थिर दिखाई देता था। लेकिन उसकी बातें देश की थीं। व्यवस्था की थीं। समाज की थीं। उसकी बेचैनी में एक सामान्य नागरिक का आक्रोश था। वह किरदार मेरे मन में कहीं ठहर गया। उस समय शायद कल्पना भी नहीं की थी कि यही अभिनेता आगे चलकर भारतीय सिनेमा में अभिनय की एक अलग परिभाषा लिखेगा। नाना की विशेषता थी कि उनके अभिनय में बनावट नहीं थी। वे पारंपरिक नायक की छवि में फिट नहीं बैठते थे। न चमकदार चेहरा। न बनावटी मुस्कान। न नायक बनने के लिए आवश्यक समझी जाने वाली अदाएँ। लेकिन जब पर्दे पर आते थे तो दूसरे कलाकारों की उपस्थिति छोटी पड़ जाती थी। परिंद में उनका भयावह व्यक्तित्व देखिए। प्रहार में अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण देखिए। क्रांतिवीर में व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह देखिए। यशवंत में एक ईमानदार पुलिस अधिकारी का आक्रोश देखिए। अब तक छप्पन में कठोरता देखिए। और फिर वेलकम में उनकी अद्भुत हास्य प्रतिभा देखिए। एक ही अभिनेता के इतने रूप! यही नाना की विलक्षणता थी। उनकी फिल्म क्रांतिवीर का वह दृश्य भला कौन भूल सकता है, जब वे फाँसी के तख्ते पर खड़े होकर गरजते हैं, - 'आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने!' यह केवल एक फिल्मी संवाद नहीं था। यह उस व्यवस्था के विरुद्ध आक्रोश था। जिसमें अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वाला व्यक्ति ही अपराधी बना दिया जाता है। इसी फिल्म में उनका एक और संवाद समाज की सांप्रदायिक संकीर्णता पर सीधा प्रहार करता है, - 'बता ये मुसलमान का खून है या ये हिंदू का खून है, बता!' नाना के संवादों में मनोरंजन के साथ सामाजिक चेतना भी थी। वे दर्शकों को उत्तेजित ही नहीं करते थे। सोचने के लिए भी विवश करते थे। यशवंत का उनका प्रसिद्ध मच्छर वाला संवाद आज भी लोगों की जुबान पर है। तिरंगा का वह अंदाज 'पहले लात, फिर बात...' आज भी याद किया जाता है। और वेलकम में उदय शेड्डी बनकर उनका यह कहना कि 'भगवान का दिया हुआ सब कुछ है...' हास्य अभिनय की यादगार मिसाल बन गया। सोचिए! जिस अभिनेता की आवाज सुनकर दर्शकों की मुट्ठियाँ तन जाती थीं, वही अभिनेता कुछ वर्षों बाद अपनी अदाओं से उन्हें ठहाके लगाने पर मजबूर कर देता था। यह साधारण प्रतिभा नहीं थी। लेकिन नाना के व्यक्तित्व का एक दूसरा पक्ष भी था। जो संभवतः उनके अभिनय से कहीं अधिक बड़ा था। महााष्ट्र में जब किसान सूखे और आत्महत्या की त्रासदी से जूझ रहे थे, तब नाना केवल संवेदना व्यक्त करके नहीं रह गए। उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ मिलकर 2015 में 'नाम फाउंडेशन' की शुरुआत की। किसानों के परिवारों की सहायता, जल संरक्षण और ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम किया। यही अंतर है प्रसिद्धि और सार्थकता में बहुत से लोग फिल्मों में किसानों का दर्द बेचते हैं। नाना किसानों का दर्द बाँटने उनके बीच पहुँचते थे। उनके जीवन में देश के प्रति लगाव भी केवल संवादों तक सीमित नहीं था। प्रहार के लिए उन्होंने सैन्य प्रशिक्षण लिया। भारतीय प्रादेशिक सेना से उनका जुड़ाव रहा। उनके भीतर सैनिक अनुशासन और देश के प्रति सम्मान का भाव स्पष्ट दिखाई देता था। तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और पद्मश्री जैसे सम्मान उनकी प्रतिभा की सार्वजनिक स्वीकृति थे। लेकिन नाना की असली उपलब्धि पुरस्कार नहीं थे। वह स्थान था, जो उन्होंने करोड़ों दर्शकों के हृदय में बनाया। नाना पाटेकर की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि वे असहज करने वाले सवाल पूछने से नहीं डरते थे। उनके अभिनय में विद्रोह था। लेकिन वह निरर्थक विद्रोह नहीं था। उसमें समाज के प्रति चिंता थी। व्यवस्था के प्रति आक्रोश था। अन्याय के प्रति असहमति थी। आज सिनेमा में तकनीक बढ़ गई है। दृश्य भव्य हो गए हैं। प्रचार का शोर बढ़ गया है। लेकिन ऐसे कलाकार कम होते जा रहे हैं, जो केवल अपनी आवाज, आँखों और चेहरे के भावों से पूरा दृश्य अपने नाम कर लें। नाना ऐसे ही कलाकार थे। आज उनके निधन का समाचार आया तो मन अचानक प्रतिघात के उस किरदार की ओर लौट गया, जिसे मैंने लगभग चार दशक पहले देखा था। तब वह किरदार देश और व्यवस्था से सवाल पूछ रहा था। बाद के दशकों में नाना ने अलग-अलग किरदारों के माध्यम से वही बेचैनी जीवित रखी। नाना चले गए। लेकिन उनकी आवाज नहीं जाएगी। उनका आक्रोश नहीं जाएगा। उनके संवाद नहीं जाएँगे। उनका वह विशिष्ट अंदाज नहीं जाएगा। जब भी भारतीय सिनेमा में स्वाभाविक अभिनय की चर्चा होगी, जब भी दमदार संवाद अदायगी का उल्लेख होगा, जब भी पर्दे पर व्यवस्था से टकराने वाले किसी विद्रोही चरित्र की बात होगी, नाना पाटेकर याद आएँगे। क्योंकि नाना पाटेकर केवल किरदार नहीं निभाते थे। वे किरदारों में अपना जीवन भर देते थे। और ऐसे कलाकार मरते नहीं। वे अपने अभिनय में जीवित रहते हैं।

अलविदा नाना!

आपके जाने से पर्दा सूना हुआ है। लेकिन आपकी आवाज भारतीय सिनेमा की स्मृतियों में हमेशा गुँजती रहेगी।

विनम्र श्रद्धांजलि।

सीईसी ज्ञानेश कुमार की सुरक्षा बढ़ाई गई जेड+ कवर के बावजूद अतिरिक्त जवान तैनात

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियाँ अलर्ट हो गई हैं। ताजा खुफिया इनपुट और उनके खिलाफ चल रहे विरोध-प्रदर्शनों को देखते हुए उनकी मौजूदा जेड+ सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। उनके दिल्ली स्थित आवास के बाहर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा निर्वाचन सदन और उनकी निजी सुरक्षा व्यवस्था में भी अतिरिक्त बल लगाया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, स्थानीय जिला पुलिस को भी सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। नई दिल्ली इलाके में लगातार हो रहे प्रदर्शनों को देखते हुए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। ज्ञानेश कुमार के दिल्ली स्थित आवास के अलावा उत्तर प्रदेश के आगरा स्थित उनके पैतृक आवास को लेकर भी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई है। हाल में उनके खिलाफ प्रदर्शनकारी आगरा स्थित आवास के पास तक पहुँच गए थे। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने खतरे का नए सिरे से आकलन किया। अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली और आगरा में हुए विरोध-प्रदर्शनों को भी सुरक्षा बढ़ाने की वजहों में शामिल किया गया है। सुरक्षा एजेंसियाँ संभावित प्रदर्शन और किसी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए लगातार स्थिति पर नजर रख रही हैं। सीईसी की सुरक्षा ऐसे समय में बढ़ाई गई है, जब विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्षी इंडिया ब्लॉक लगातार चुनाव



पहले से जेड+ सुरक्षा, अब और कड़ा हुआ घेरा

ज्ञानेश कुमार को पहले से ही देश की उच्चतम नागरिक सुरक्षा श्रेणियों में शामिल जेड+ सुरक्षा कवर हासिल है। ताजा खतरे के आकलन के बाद इस सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। उनके आवास के आसपास अब अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा और सुरक्षा व्यवस्था को अधिक स्तरों में बाँटकर निगरानी बढ़ाई गई है। रिपोर्टों के मुताबिक, उनके आवास के आसपास चौबीसों घंटे पुलिस मौजूदगी सुनिश्चित की जा रही है। निर्वाचन आयोग के मुख्यालय निर्वाचन सदन में भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। वहां श्रद्धांजलि के अलावा दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ और आरएफ की अतिरिक्त तैनाती की जानकारी सामने आई है।

आयोग के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है। विपक्षी दल मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठा रहे हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी नेता पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि एसआईआर की प्रक्रिया में मतदाताओं के अधिकारों और मतदाता सूची की पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल हैं। दूसरी ओर, चुनाव आयोग और सरकार की ओर से विपक्ष के आरोपों पर अलग रख रखा गया है। विरोध-प्रदर्शनों के

मद्देनजर दिल्ली में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की भी बड़ी तैनाती की जा रही है। गृह मंत्रालय ने 8 से 12 अक्टूबर के बीच दिल्ली पुलिस के लिए सीएपीएफ की 221 कंपनियाँ यानी करीब 23 हजार जवान उपलब्ध कराए हैं। इनमें सीआरपीएफ की कंपनियाँ जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ से लाई जा रही हैं। इन अतिरिक्त बलों को प्रदर्शन स्थलों के अलावा महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा और मध्य दिल्ली में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

लखनऊ में कैदी की ड्रेस पहनकर सपाइयों का प्रदर्शन हाथों में हथकड़ी और चेहरे पर ज्ञानेश कुमार का मुखौटा

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अनेकों अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ता कैदियों जैसी पोशाक पहनकर पहुंचे। उनके हाथों में हथकड़ी लगी थी और चेहरे पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मुखौटे लगाए गए थे। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान चुनाव आयोग और स्टूक की प्रक्रिया के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं का कहना था कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर आम लोगों को परेशान किया जा रहा है और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कैदियों के रूप में पहुंचे कार्यकर्ता

प्रदर्शन की सबसे ज्यादा चर्चा कार्यकर्ताओं के पहनावे को लेकर रही। कुछ कार्यकर्ता कैदी की ड्रेस में नजर आए और उनके हाथों में हथकड़ियाँ थीं। वहीं कुछ प्रदर्शनकारियों ने चेहरे पर ज्ञानेश कुमार के मुखौटे लगा रखे थे। सपा कार्यकर्ताओं ने इस प्रतीकात्मक प्रदर्शन के जरिए चुनाव प्रक्रिया को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। उनका कहना था कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से न हटे।



एसआईआर को लेकर विपक्ष का लगातार विरोध

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर देशभर में राजनीतिक विवाद जारी है। विपक्षी दल लगातार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं। इंडिया ब्लॉक के विभिन्न दलों की ओर से भी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन किए जा रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि स्टूक के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का खतरा है। विपक्षी दल चुनाव आयोग से प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

लखनऊ में प्रदर्शन से बढ़ी राजनीतिक सरगमी

लखनऊ में हुए सपा के इस प्रदर्शन ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी हलचल बढ़ा दी है। कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान अपनी मांगों को लेकर जोरदार नारेबाजी की और चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध जताया। सपा नेताओं का कहना है कि लोकतंत्र में मतदाता का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण है और किसी भी प्रक्रिया के कारण पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित नहीं होना चाहिए। पार्टी कार्यकर्ताओं ने एसआईआर से जुड़े मुद्दों को आगे भी मजबूती से उठाने का संकेत दिया है। वहीं, प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस और प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई। प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों पर नजर रखी गई और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए।



लखनऊ में गोमती नदी का रौद्र रूप, पलासियो मॉल तक पहुंचा पानी, आईआईआईटी बंद, बैकुंठ धाम भी जलमग्न

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। लगातार बारिश और गोमती नदी के बढ़ते जलस्तर ने राजधानी लखनऊ में चिंता बढ़ा दी है। नदी का पानी कई निचले इलाकों और प्रमुख स्थानों तक पहुंच गया है। गोमती नगर स्थित पलासियो मॉल के आसपास भी पानी पहुंचने की सूचना है। स्थिति को देखते हुए IIT लखनऊ को बंद कर दिया गया है, जबकि बैकुंठ धाम परिसर में भी जलभराव हो गया है। बाढ़ जैसे हालात का असर सरकारी कार्यालयों पर भी दिखाई दे रहा है। आपदा प्रबंधन कार्यालय तक पानी पहुंचने की जानकारी सामने आई है। प्रशासन की ओर से निचले इलाकों में लगातार निगरानी की जा रही है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। जलभराव की स्थिति को देखते हुए आईआईआईटी लखनऊ को बंद करने का फैसला लिया गया है। परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पानी बढ़ने के कारण संस्थान की सामान्य गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है और जलस्तर में सुधार होने तक सुरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही जा रही है। लखनऊ में बिगड़ते जलभराव की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा



सकता है कि आपदा प्रबंधन कार्यालय तक पानी पहुंच गया है। जिस व्यवस्था का काम आपदा की स्थिति में राहत और बचाव अभियान को संभालना है, उसके कार्यालय परिसर में ही पानी पहुंचने से स्थिति की गंभीरता सामने आती है। प्रशासनिक और राहत एजेंसियां संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। निचले इलाकों में

जलभराव वाले स्थानों की निगरानी बढ़ाई गई है। गोमती के बढ़ते जलस्तर के कारण नदी के आसपास के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कई जगहों पर पानी सड़कों तक पहुंच गया है। स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने और नदी के आसपास अनावश्यक रूप से न जाने की सलाह दी जा रही है। प्रशासन की नजर

जलस्तर और मौसम की स्थिति पर बनी हुई है। आने वाले घंटों में पानी बढ़ता है या घटता है, इसी के आधार पर आगे की राहत और बचाव व्यवस्था तय की जाएगी। गोमती के बढ़ते जलस्तर ने एक बार फिर लखनऊ में बाढ़ और जलनिकासी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। पॉश इलाकों से लेकर सरकारी कार्यालयों और प्रमुख संस्थानों तक

गोमती का बढ़ता जलस्तर बना चिंता का कारण

गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ ही नदी के आसपास के इलाकों में पानी का दबाव बढ़ गया है। कई स्थानों पर सड़कें और संपर्क मार्ग जलमग्न हो गए हैं। नदी के किनारे रहने वाले लोगों में भी चिंता का माहौल है। पलासियो मॉल के आसपास पानी पहुंचने से शहर के व्यस्त और पॉश इलाके भी प्रभावित हुए हैं। सामान्य दिनों में लोगों से गुलजार रहने वाला यह क्षेत्र अब जलभराव के कारण प्रभावित नजर आ रहा है।

बैकुंठ धाम भी पानी में घिरा

गोमती के बढ़ते जलस्तर का असर बैकुंठ धाम पर भी पड़ा है। परिसर के कई हिस्सों में पानी भर गया है। जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण यहां आने-जाने में भी परेशानी हो रही है। बैकुंठ धाम के आसपास रहने वाले लोगों को भी नदी के जलस्तर को देखते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

पानी पहुंचने से राजधानी में हालात को लेकर चिंता बढ़ गई है।

दीपोत्सव-2026 में बदली-बदली नजर आएगी अयोध्या, रामायण की थीम से सजेगा रामनगरी का हर प्रमुख रास्ता

अमृत उजाला संवाददाता

अयोध्या। दीपों की रोशनी से जगमगाने वाली रामनगरी अयोध्या इस बार दीपोत्सव-2026 में और भी भव्य नजर आने वाली है। छह से आठ नवंबर तक होने वाले आयोजन को लेकर पर्यटन विभाग ने शहर को रामायण की थीम पर सजाने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रमुख चौराहों, प्रवेश मार्गों से लेकर राम कथा पार्क, राम की पैड़ी और सरयू तट तक आकर्षक सजावट देखने को मिलेगी। सात नवंबर को दीपोत्सव के मुख्य आयोजन में अयोध्या के 56 घाटों पर करीब 30 लाख दीये जलाए जाएंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए करीब 10 प्रमुख स्थानों पर थीम आधारित वे-फाईंडर और वर्टिकल स्क्रीन भी लगाए जाएंगे। इस बार दीपोत्सव में आने वाले लोगों के लिए अयोध्या की खूबसूरती को यादों में संजोने के खास इंतजाम किए जा

रहे हैं। राम कथा पार्क और राम की पैड़ी पर 10-10 सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे, जिनमें हर इंस्टॉलेशन की डिजाइन और थीम अलग होगी। लता मंगेशकर चौक से राम की पैड़ी तक भी कलात्मक स्थापनाएं लोगों का ध्यान खींचेंगी। राम कथा पार्क का स्थायी मंच भी नए रंग-रूप में नजर आएगा। यहां एलईडी स्क्रीन, बेहतर प्रकाश और ध्वनि व्यवस्था, पुष्प सज्जा, रंगोली और थीम आधारित सजावट के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए माहौल तैयार किया जाएगा। अयोध्या में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं को दीपोत्सव की भव्यता का अहसास हो, इसके लिए लखनऊ, सुल्तानपुर और रायबरेली की ओर से आने वाले मार्गों के साथ धर्म पथ पर 10 भव्य सजावटी द्वार बनाए जाएंगे। इन सभी गेटों की डिजाइन अलग होगी और इनमें भारतीय संस्कृति के साथ रामायण



के प्रसंगों की झलक देखने को मिलेगी। राम की पैड़ी के पास पुष्प विमान थीम पर रोडसाइड इंस्टॉलेशन तैयार किया जाएगा। इसके अलावा राम रथ, राम दरबार और रामायण आधारित झांकियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

राम कथा पार्क के समीप हेलीपैड क्षेत्र में भरत मिलाप मंच और पाथवे तैयार किए जाएंगे, जबकि सरयू और राम की पैड़ी पर आकर्षक फ्लोटर्स दीपोत्सव की खूबसूरती में और इजाफा करेंगे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के मुताबिक, दीपोत्सव-2026 में अयोध्या की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक रचनात्मकता के साथ लोगों के सामने रखा जाएगा। वहीं, अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने बताया कि शहर के प्रमुख मार्गों पर रामायण के अलग-अलग कांड और प्रसंग सरल भाषा में प्रदर्शित किए जाएंगे। खास तौर पर बच्चों और नई पीढ़ी को रामायण से जोड़ने के लिए इन प्रसंगों को एक-एक पंक्ति में आसान तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा।

यूपी से रियाद के लिए शुरू होगी नई लो-बजट फ्लाइट, अरब देशों की कनेक्टिविटी होगी बेहतर

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश से खाड़ी देशों की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। प्रदेश से रियाद के लिए नई लो-बजट फ्लाइट सेवा शुरू करने की तैयारी है। नई हवाई सेवा शुरू होने से उत्तर प्रदेश के यात्रियों को सऊदी अरब की राजधानी रियाद पहुंचने के लिए बेहतर और किफायती विकल्प मिलेगा। साथ ही अरब देशों के लिए प्रदेश की हवाई कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी। नई उड़ान सेवा खास तौर पर उन यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जो रोजगार, कारोबार, धार्मिक यात्रा या परिवार से मिलने के लिए नियमित रूप से सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों की यात्रा करते हैं। नई फ्लाइट सेवा शुरू होने से यात्रियों को समय की बचत के साथ-साथ यात्रा की योजना बनाने में भी आसानी होगी। खासकर वे लोग जो बार-बार सऊदी अरब की यात्रा करते हैं, उनके लिए सीधी और कम किराये



वाली उड़ान बेहतर विकल्प बन सकती है। एयर कनेक्टिविटी बढ़ने से पर्यटन, कारोबार और रोजगार से जुड़े आवागमन को भी बढ़ावा

मिलने की उम्मीद है। इससे उत्तर प्रदेश के एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या में वृद्धि हो सकती है।

खाड़ी देशों के लिए कनेक्टिविटी मजबूत होगी

रियाद के लिए नई उड़ान को उत्तर प्रदेश की अंतरराष्ट्रीय हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। सऊदी अरब के साथ-साथ अन्य अरब देशों के लिए भी हवाई संपर्क बढ़ाने की संभावनाएं मजबूत होंगी। रियाद सऊदी अरब का प्रमुख व्यावसायिक और प्रशासनिक केंद्र है। बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक वहां रोजगार और व्यापार से जुड़े हैं। उत्तर प्रदेश के भी हजारों लोग सऊदी अरब में काम करते हैं। ऐसे में नई उड़ान उनके लिए सुविधाजनक साबित हो सकती है।

यूपी के एयरपोर्ट पर बढ़ रहा अंतरराष्ट्रीय यातायात

पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार हुआ है। लखनऊ, वाराणसी, कुशीनगर और अयोध्या समेत कई एयरपोर्ट से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन बढ़ा है। रियाद के लिए नई लो-बजट सेवा शुरू होने से प्रदेश के यात्रियों को खाड़ी क्षेत्र के लिए एक और विकल्प मिलेगा। इससे उत्तर प्रदेश और अरब देशों के बीच आवागमन को और गति मिलने की उम्मीद है। नई उड़ान के संचालन की तारीख, फ्लाइट शेड्यूल और किराये से जुड़ी अंतिम जानकारी एयरलाइन की ओर से आधिकारिक घोषणा के बाद स्पष्ट होगी।

किराया कम रखने पर जोर

नई सेवा को लो-बजट श्रेणी में शुरू किए जाने की योजना है। इसका उद्देश्य यात्रियों को अपेक्षाकृत कम किराये में रियाद तक पहुंचने का विकल्प उपलब्ध कराना है। उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में लोग सऊदी अरब और अन्य अरब देशों में रोजगार तथा कारोबार से जुड़े हुए हैं। ऐसे में नई फ्लाइट से उन्हें सीधा फायदा मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में खाड़ी देशों की यात्रा करने वाले यात्रियों को कई बार कनेक्टिंग फ्लाइट या दूसरे शहरों के एयरपोर्ट से यात्रा करनी पड़ती है। नई सेवा शुरू होने के बाद यात्रा का समय और अतिरिक्त खर्च कम करने में मदद मिल सकती है।



बंगलूरु में एसआईआर के खिलाफ 'जनता की अदालत' धुव राठी और प्रकाश राज ने संभाला मोर्चा, बाद में 'चप्पल प्रदर्शन'

एजेंसी

बंगलूरु। चुनावी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर देश में चल रहे विवाद के बीच बंगलूरु के फ्रीडम पार्क में गुरुवार को 'पीपुल्स ट्रिब्यूनल' यानी 'जनता की अदालत' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर धुव राठी, अभिनेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश राज तथा कॉन्फेडरेशन जनता पार्टी से जुड़े नेता शामिल हुए। आयोजकों के मुताबिक, कर्नाटक के अलग-अलग हिस्सों से एसआईआर प्रक्रिया से प्रभावित होने का दावा करने वाले लोग भी यहां अपनी बात रखने पहुंचे। पीपुल्स ट्रिब्यूनल के बाद आयोजकों ने 'चप्पल प्रदर्शन' का भी कार्यक्रम रखा। सीजेपी के मुताबिक, यह प्रदर्शन महिलाओं के साथ एकजुटता और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को सामने लाने के लिए किया जा रहा है। संगठन का कहना है कि इसके माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति समर्थन जताया जाएगा। इस कार्यक्रम में सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके, सह-संयोजक आशुतोष रांका और प्रवक्ता सौरव दास समेत युवा एवं नागरिक संगठनों से जुड़े लोगों के शामिल होने की बात कही गई थी। एसआईआर को लेकर पिछले कुछ समय से विपक्षी दलों और विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से सवाल उठाए जा रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने की आशंका है। वहीं, चुनावी प्रक्रिया को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त के



एसआईआर से प्रभावित लोगों की बात सुनने का दावा
आयोजकों के अनुसार, पीपुल्स ट्रिब्यूनल का उद्देश्य उन लोगों की शिकायतें सामने लाना है, जिनका दावा है कि एसआईआर के दौरान उनके नाम मतदाता सूची से गलत तरीके से हटाए गए हैं। सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका ने कहा था कि कार्यक्रम के दौरान कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों से आए ऐसे लोगों से बातचीत की जाएगी और उनकी समस्याओं को सामने रखा जाएगा। सीजेपी ने एसआईआर के दौरान हटाए गए मतदाताओं के नाम बहाल करने और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर जवाबदेही तय करने की मांग उठाई है। संगठन ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी की है।

प्रकाश राज ने लोगों से शामिल होने की अपील की

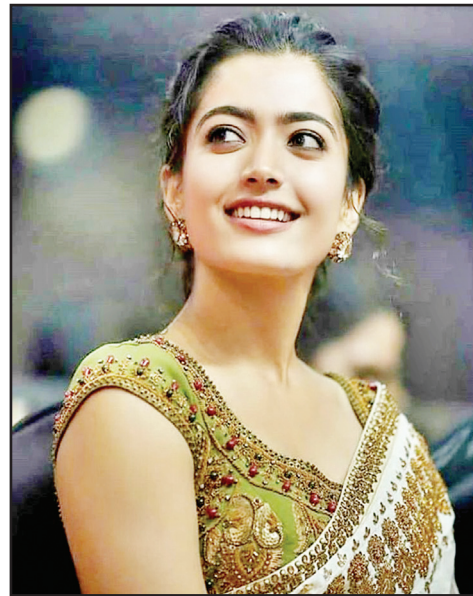
अभिनेता प्रकाश राज ने कार्यक्रम से पहले लोगों से बड़ी संख्या में फ्रीडम पार्क पहुंचने की अपील की। उन्होंने इसे लोकतंत्र बचाने की लड़ाई बताते हुए नागरिकों से इस अभियान में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न युवा संगठनों और सिविल सोसाइटी से जुड़े लोग भी कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। प्रकाश राज ने एक वीडियो संदेश में धुव राठी के भी कार्यक्रम में शामिल होने की जानकारी दी। इसके बाद धुव राठी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो जारी कर बंगलूरु कार्यक्रम में अपनी मौजूदगी की पुष्टि की। उन्होंने भी इसे लोकतंत्र से जुड़ा संघर्ष बताया।

खिलाफ भी राजनीतिक विरोध तेज हुआ है। दिल्ली के अलावा कई राज्यों में विपक्षी दल और सामाजिक संगठन इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे माहौल में बंगलूरु का यह कार्यक्रम एसआईआर के खिलाफ चल रहे

व्यापक अभियान की एक और कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। आयोजकों ने संकेत दिया है कि वे इस मुद्दे को आगे भी उठाते रहेंगे और मतदाता सूची से जुड़े मामलों को सार्वजनिक मंचों पर सामने लाने की कोशिश करेंगे।

मनोरंजन

विजय देवरकोंडा सेट पर बेहद समर्पित रहते हैं, उनसे बहुत कुछ सीखती हूं : रश्मिका मंदाना



मुंबई। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना जल्द ही अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ आगामी ड्रामा फिल्म 'रणबाली' में नजर आएंगी। शादी के बाद यह दोनों की पहली बड़ी फिल्म होगी, जिसमें वे साथ स्क्रीन साझा करेंगे। रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'आस्क मी एनीथिंग' सत्र आयोजित किया। इस दौरान एक प्रशंसक ने उनसे विजय देवरकोंडा के साथ काम करने का अनुभव पूछा। इस पर 'एनिमल' फेम अभिनेत्री ने कहा कि विजय के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहता है,

लेकिन काम के मामले में वह बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके साथ काम करते हुए हमेशा बहुत कुछ सीखने को मिलता है। एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा, 'हाय मैम, रणबाली के सेट पर विजय सर के साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा? इसके जवाब में रश्मिका ने कहा, 'हमेशा बहुत सारा मजा आता है, लेकिन अगर गंभीरता से कहूं तो वह सेट पर अपने काम को लेकर बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं, जैसा कि आप सभी जानते हैं। हमेशा की तरह मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है। इससे पहले 'रणबाली' के निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने खुलासा किया था कि उन्होंने फिल्म में रश्मिका के किरदार का नाम अपनी मां के नाम पर रखा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जब मैं 'रणबाली' लिख रहा था, तब इसकी दुनिया के हर छोटे-बड़े विवरण ने मुझे यादों में पहुंचा दिया। जब मैंने महिला नायिका का किरदार लिखा, तो मैंने उसे कुछ बहुत निजी चीज दी, मैंने उसे अपनी मां का नाम दिया। उन्होंने आगे कहा, 'उसके हर भाव और अनुभव को लिखते समय मैंने पूरा ध्यान रखा कि वह ऐसी महिला बने, जो आज की महिलाओं को भी प्रेरित कर सके, भले ही वह किसी दूसरे दौर की पात्र हो। इस बीच, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा 'रणबाली' की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने अपनी टीम का एक वीडियो साझा किया और लिखा, '130 दिनों की इस शानदार यात्रा का समापन हो गया। मेरी अथक और ऊर्जावान टीम का धन्यवाद।

क्रिकेट के मैदान पर बड़ा मुकाम हासिल करने का सपना था, सफर में मौत ने तोड़ा, सुलतानपुर हादसे में चार युवा खिलाड़ियों की जान गई

अमृत उजाला संवाददाता

सुलतानपुर/देवरिया। क्रिकेट के मैदान पर पहचान बनाने और एक दिन बड़े स्तर पर खेलने का सपना देखने वाले चार युवा खिलाड़ियों की जिंदगी एक दर्दनाक सड़क हादसे में खत्म हो गई। देवरिया के रहने वाले नित्या प्रजापति, इरफान अंसारी, अनिकेत सिंह और आनंद यादव लखनऊ में टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट खेलकर घर लौट रहे थे। बुधवार तड़के उनकी कार सुलतानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर खड़े ट्रक में पीछे से जा चुसी। हादसे में चारों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य खिलाड़ी घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक देवरिया के कई खिलाड़ी सोमवार रात लखनऊ के बख्शी का तालाब क्षेत्र में होने वाले टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में हिस्सा लेने पहुंचे थे। मैच खेलने के बाद खिलाड़ी अलग-अलग वाहनों से देवरिया लौट रहे थे। इसी दौरान पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर यह भीषण हादसा हो गया। पुलिस के अनुसार कार की रफ्तार काफी तेज थी और वह आगे चल रहे/खड़े ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त



थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर पहुंचे लोगों और एक्सप्रेसवे कर्मियों को कार में फंसे खिलाड़ियों को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस की शुरुआती जांच में चालक को नींद आने की आशंका जताई गई है। एक घायल खिलाड़ी के मुताबिक हादसे के समय कार में सवार कुछ लोग सो रहे थे। टक्कर के बाद उन्हें कुछ समझ नहीं आया और आसपास मौजूद लोगों ने कार के दरवाजे तोड़कर घायलों को बाहर निकाला। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही

है। हादसे की परिस्थितियों और ट्रक की स्थिति समेत अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार खिलाड़ी लगातार यात्रा और क्रिकेट प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे थे। कुछ खिलाड़ियों के करीब दो दिन तक पर्याप्त नींद नहीं लेने की बात भी सामने आई है। सोमवार रात टीम के खिलाड़ी लखनऊ के लिए रवाना हुए थे और मंगलवार को प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के बाद रात में देवरिया लौट रहे थे। रास्ते में कुछ देर आराम करने के बाद उन्होंने दोबारा यात्रा शुरू की थी।

चारों की अलग-अलग कहानी, सपना था एक

चुरिया गांव के अनिकेत सिंह ने करीब पांच साल तक क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण लिया था। बाद में उन्होंने टेनिस बॉल क्रिकेट को अपना माध्यम बनाया और उत्तर प्रदेश, बिहार तथा झारखंड समेत कई स्थानों पर होने वाली प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते रहे। वह क्रिकेट को अपने भविष्य का आधार बनाना चाहते थे। कोहरा गांव के आनंद यादव भी क्रिकेट के प्रति बेहद समर्पित थे। वह देवरिया की जिला स्तरीय टीम से खेल चुके थे और लगातार बेहतर प्रदर्शन कर आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे थे। उनके परिवार के मुताबिक, वह विभिन्न स्थानों पर होने वाले टूर्नामेंटों में हिस्सा लेते थे। मईल क्षेत्र के नित्या प्रजापति भी टेनिस बॉल क्रिकेट के अच्छे खिलाड़ी थे। लखनऊ में खेले गए मैच में उनके शानदार प्रदर्शन की चर्चा गांव तक पहुंची थी। परिवार और दोस्तों के लिए यह खुशी कुछ ही घंटों में गहरे सदमे में बदल गई। वहीं इरफान अंसारी भी दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने के लिए लखनऊ गए थे। वह अलग-अलग स्थानों पर होने वाली टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते थे। दोस्तों के साथ खेल का सपना साझा करने वाले इरफान का यह सफर जिंदगी का आखिरी सफर साबित हुआ।

चार परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़

हादसे की खबर गांव पहुंचते ही चारों परिवारों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग भी परिवारों को ढांडस बंधाने के लिए उनके घर पहुंच रहे हैं। बड़ी संख्या में स्थानीय युवा और क्रिकेट से जुड़े लोग भी शोक जताने पहुंचे। तीन खिलाड़ियों की मौत हादसे के बाद मौके पर ही हो गई थी, जबकि एक घायल खिलाड़ी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घायलों का उपचार कराया गया। हादसे के बाद शवों का पोस्टमार्टम कराया गया और पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की। क्रिकेट के मैदान पर अपनी पहचान बनाने का सपना देखने वाले इन चार युवाओं की जिंदगी भले ही अचानक खत्म हो गई, लेकिन उनके साथियों और गांव के लोगों के बीच उनकी क्रिकेट के प्रति लगन और दोस्ती की यादें लंबे समय तक बनी रहेंगी।